22 मई 2024

शामिल विषय (TOPICS COVERED)

1. तामलुक (GS PAPER I: प्राचीन इतिहास)
2. बुद्ध पूर्णिमा (GS PAPER I: संस्कृति)
3. मुंबई हवाई अड्डे के ग्लाइड पथ पर जेट विमान से टकराकर 30 फ्लेमिंगो की मौत (22 मई) (GS PAPER III: पर्यावरण)
4. वृद्ध महिलाओं में एक्स गुणसूत्र पुनरुद्धार से स्वप्रतिरक्षी रोग का जोखिम बढ़ जाता है (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)
5. झरना सफेद क्यों दिखाई देता है? (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)
6. जलवायु परिवर्तन, भारतीय राजनीति में एक गुजरता हुआ बादल (22 मई) (GS PAPER II और III: राजनीति और पर्यावरण)
7. प्री-एक्लेमप्सिया पर प्रकाश डालना, सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)
8. सजा समाप्त करें (22 मई) (GS PAPER IV: नैतिकता)
9. रूस की परमाणु स्थिति के जोखिम (22 मई) (GS PAPER II: परमाणु सिद्धांत)
10. प्याज निर्यात पर बदलते नियमों का चुनाव परिणामों पर पड़ सकता है असर (22 मई) (GS PAPER III: पर्यावरण)
11. परियोजना वित्तपोषण को प्रशासित करने के लिए आरबीआई का प्रस्तावित ढांचा (22 मई) (GS PAPER III: बैंकिंग क्षेत्र)

PatriotIAS

तामलुक भारत के पश्चिम बंगाल राज्य का एक शहर है तथा पूर्व मेदिनीपुर जिले का मुख्यालय है।

- तामलुक प्राचीन शहर ताम्रलिप्ता का स्थल है , जहां चीनी यात्री ह्वेन चांग ने भ्रमण किया था।
- तामलुक बंगाल की खाड़ी के पास रूपनारायण नदी के तट पर स्थित है ।

इतिहास:

- यह प्राचीन राज्य और बंदरगाह शहर बंगाल की खाड़ी, रूपनारायण नदी और सुवर्णरेखा नदी से घिरा हुआ था।
- इन जल निकायों ने एक समृद्ध नौवहन प्रणाली बनाई, जिससे वाणिज्य, संस्कृति और कृषि को बढ़ावा मिला।
- पुरातात्विक अवशेष **तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लगातार बसावट दर्शाते हैं** ।
- प्राचीन ग्रंथों में तामलुक को विभिन्न नामों से जाना जाता था, जिनमें ट्रामरालिप्ता , ताम्रलिप्ता , तामालिका, तामलिट्टी और तामोलुक शामिल हैं ।

बुद्ध पूर्णिमा : (GS PAPER I: संस्कृति)

गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और परिनिर्वाण का उत्सव मनाना

बुद्ध पूर्णिमा, जिसे वेसाक या बुद्ध जयंती के नाम से भी जाना जाता है, गौतम बुद्ध के जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाओं का स्मरण कराती है। ये घटनाएँ हैं:

- **जन्म:** ऐसा माना जाता है कि बुद्ध का जन्म इसी दिन लुम्बिनी, नेपाल में लगभग 563 ईसा पूर्व हुआ था।
- **आत्मज्ञान:** आध्यात्मिक सत्य की खोज में वर्षों तक लगे रहने के बाद, सिद्धार्थ गौतम को भारत के बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई, और वे बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए, जिसका अर्थ है "जागृत व्यक्ति।"
- **परिनिर्वाण:** इसका तात्पर्य बुद्ध की पीड़ा और पुनर्जन्म के चक्र से पूर्ण मुक्ति से है। पारंपरिक रूप से माना जाता है कि परिनिर्वाण उनके जन्म और ज्ञान प्राप्ति के दिन ही हुआ था।

तारीख:

बुद्ध पूर्णिमा की सही तारीख हर साल बदलती रहती है क्योंकि यह चन्द्र-सौर कैलेंडर पर आधारित है।

Patriot IAS

30 एफएल एमिंगो की मौत (22 मई) (GS PAPER III: पर्यावरण)

{30 flamingos fall dead, rammed by jet on glide path to Mumbai airport}

- घाटकोपर क्षेत्र में 30 से अधिक फ्लेमिंगो मृत पाए गए।
- यह घटना मंगलवार सुबह घटी।
- अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाते समय एक विमान ने फ्लेमिंगो को टक्कर मार दी।
- दुर्घटना का कारण अमीरात ईके 508 विमान था, जो दुबई से मुंबई जा रहा था।
- सोमवार को विमान रात 8:40 बजे से पहले सुरक्षित उतर गया।
- बोइंग 777-300ER जेट विमान पक्षियों के झुंड से टकरा गया।
- घटना के बाद विमान का पूर्ण निरीक्षण किया गया।
- यह निरीक्षण सुरक्षा निर्देशों के तहत किया गया।
- निरीक्षण के परिणामस्वरूप वापसी की उड़ान में एक दिन की देरी हुई।

पहली घटना

- यह पहली बार है कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट किसी विमान की टक्कर से पक्षियों का इतना बड़ा झुंड मारा गया है।
- इस घटना के बाद महाराष्ट्र वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।
- उस स्थान से शव और नमूने एकत्र किए गए हैं जहां पर प्रवासी पक्षी गिरे थे।
- पायलट के बयान को जांच का हिस्सा माना जाएगा।
- वनशक्ति नामक गैर सरकारी संगठन के निदेशक और संरक्षणवादी स्टालिन दयानंद ने बताया कि अब तक 30 से अधिक मृत पशु बरामद किए जा चुके हैं।

जांच जारी

- **घटना के कारण की जांच के लिए उड़ान की ऊंचाई और लैंडिंग फ़नल पथ से विचलन जैसे कारकों का अध्ययन किया जा रहा है।**
- वन विभाग के अधिकारियों ने आश्चर्य व्यक्त किया, क्योंकि ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई थी।
- उनका मानना है कि प्रवासी पक्षी ठाणे स्थित फ्लेमिंगो अभयारण्य की ओर उड़ते समय टकराये।

हालाँकि, संरक्षणवादियों के सिद्धांत अलग हैं:

- श्री दयानंद के अनुसार, एक सिद्धांत यह है कि अभयारण्य क्षेत्र से होकर गुजरने वाली नई बिजली लाइनों के कारण पक्षी भ्रमित हो रहे हैं।
- एक अन्य सिद्धांत यह बताता है कि नवी मुंबई के आर्द्रभूमि में पक्षियों को परेशान किया गया है।

PatrioticIAS

- श्री दयानंद ने आरोप लगाया कि लोगों ने शायद रात में पक्षियों को भगाया होगा, जिसके कारण वे ठाणे क्रीक की ओर उड़ने का प्रयास कर रहे थे और जेट के रास्ते में आ गए।

आर्द्रभूमि संरक्षण

- श्री दयानंद ने घटना से दो सप्ताह पहले दलील देते हुए ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो अभयारण्य का उदाहरण दिया, जहां पक्षियों के टकराने का कोई इतिहास नहीं था।
- उन्होंने पंजे आर्द्रभूमि की सुरक्षा के पक्ष में यह बात कही, जिसे सरकार ने नवी मुंबई हवाई अड्डे के निर्माण के लिए समाप्त करने का प्रस्ताव दिया था।
- श्री दयानंद के अनुसार, सरकार का निर्णय निर्माणाधीन हवाई अड्डे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जल निकायों को समाप्त करना था।
- उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह घटना महज संयोग है जो इन बहसों के दो सप्ताह बाद घटित हुई।
- श्री दयानंद ने निष्कर्ष निकालने से पहले अधिक विवरण सामने आने तक प्रतीक्षा करने का आग्रह किया।
- फ्लेमिंगो साइबेरिया से गुजरात के कच्छ के रण के माध्यम से मुंबई तक प्रवास करते हैं।
- वे नवंबर से मई के बीच मुंबई के पूर्वी तट के आर्द्रभूमि और कीचड़ वाले क्षेत्रों में रहते हैं।
- अपने प्रवास के दौरान वे शैवाल और छोटे जीवों का भोजन करते हैं।

वृद्ध महिलाओं में एक्स गुणसूत्र पुनरुद्धार से स्वप्रतिरक्षी रोग का जोखिम बढ़ जाता है (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)

{X chromosome revival in older women increases risk of autoimmune disease}

शोधकर्ताओं ने कुछ समय पहले सुझाव दिया था कि कई प्रतिरक्षा रोग - जिसमें सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, रुमेटीइड गठिया और स्जोग्रेन सिंड्रोम शामिल हैं - पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक आम हैं। विशेष रूप से ध्यान देने योग्य ऑटोइम्यून रोग हैं जिनमें एंटीबॉडी विशिष्ट प्रोटीन के खिलाफ कार्य करते हैं

PatriotIAS

गुणसूत्र: वंशानुक्रम के सूत्र

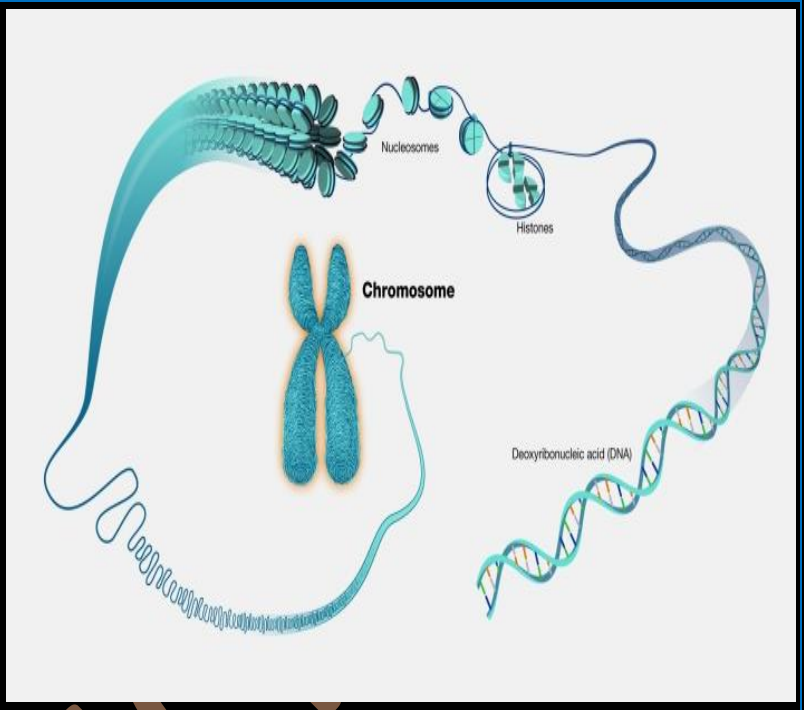

- गुणसूत्र धागे जैसी संरचनाएं हैं जो अधिकांश जीवित कोशिकाओं के नाभिक के भीतर पाई जाती हैं।
- वे आनुवंशिक जानकारी या डीएनए ले जाते हैं, जो किसी जीव के वंशानुगत गुणों को निर्धारित करता है।
- प्रत्येक गुणसूत्र में डीएनए का एक लम्बा अणु होता है जो हिस्टोन नामक प्रोटीन के चारों ओर कसकर लिपटा होता है।
- यह पैकेजिंग डीएनए को संघनित करने में मदद करती है और उसे नाभिक के भीतर फिट होने में मदद करती है।

संरचना:

- **डीएनए:** डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (डीएनए) आनुवंशिक पदार्थ है जिसमें जीव के निर्माण और रखरखाव के निर्देश होते हैं। यह एक डबल-स्ट्रैंडेड अणु है जिसमें एक विशिष्ट डबल हेलिक्स आकार होता है।
- **हिस्टोन:** ये प्रोटीन होते हैं जो गुणसूत्र के भीतर डीएनए को पैकेज और व्यवस्थित करते हैं।
- **सेंट्रोमियर:** सेंट्रोमियर गुणसूत्र का एक विशिष्ट क्षेत्र है जो कोशिका विभाजन के दौरान बहन क्रोमेटिड्स (गुणसूत्र की समान प्रतियां) को जोड़ता है।
- **टेलोमेरेस:** टेलोमेरेस गुणसूत्रों के सिरों पर दोहराए जाने वाले डीएनए अनुक्रम होते हैं जो कोशिका विभाजन के दौरान उन्हें टूटने या खराब होने से बचाते हैं।

गुणसूत्र के प्रकार:

- गुणसूत्र मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:
- **ऑटोसोम्स:** ये गैर-लिंग गुणसूत्र हैं और मेल खाते जोड़े में आते हैं (उदाहरण के लिए, मनुष्यों में 22 जोड़े ऑटोसोम्स होते हैं)।
- **लिंग गुणसूत्र:** ये गुणसूत्र किसी जीव के लिंग का निर्धारण करते हैं (जैसे, मनुष्यों में महिलाओं के लिए XX और पुरुषों के लिए XY)।

समारोह:

- गुणसूत्र कई कोशिकीय प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:
- **कोशिका विभाजन:** कोशिका विभाजन (माइटोसिस और मेयोसिस) के दौरान, गुणसूत्रों की प्रतिकृति बनाई जाती है और उन्हें संतति कोशिकाओं में स्थानांतरित किया जाता है, जिससे आनुवंशिक जानकारी की निरंतरता सुनिश्चित होती है।
- **जीन अभिव्यक्ति:** जीन डीएनए के विशिष्ट क्षेत्र हैं जो प्रोटीन के लिए कोड करते हैं। गुणसूत्र प्रोटीन संश्लेषण के लिए जिम्मेदार सेलुलर मशीनरी द्वारा डीएनए तक पहुंच को नियंत्रित करके जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करते हैं।
- **कोशिकीय विकास:** गुणसूत्र प्रोटीन के उत्पादन को निर्देशित करके जीव की विशेषताओं को निर्धारित करते हैं जो कोशिका विकास, कार्य और समग्र जीव के रूप को प्रभावित करते हैं।

आनुवंशिक विकार:

- गुणसूत्र संख्या या संरचना में असामान्यताएं विभिन्न आनुवंशिक विकारों को जन्म दे सकती हैं। कुछ उदाहरणों में शामिल हैं:
- डाउन सिंड्रोम (ट्राइसॉमी 21): गुणसूत्र 21 की एक अतिरिक्त प्रतिलिपि की उपस्थिति के कारण होता है।
- टर्नर सिंड्रोम (मोनोसॉमी एक्स): यह तब होता है जब महिला में केवल एक एक्स गुणसूत्र होता है।

Patrion

- क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (XXY): यह तब होता है जब पुरुष में दो X गुणसूत्र और एक Y गुणसूत्र होता है।

महत्त्व:

- गुणसूत्र आनुवंशिकता का आधार हैं और जीवित चीजों की जैविक विशेषताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनुवंशिकी, चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी और विकासवादी जीव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में गुणसूत्रों को समझना आवश्यक है।

- स्तनधारियों में, मादाओं में X गुणसूत्र की दो प्रतियां होती हैं, जबकि नरों में एक होती है।
- एक्स गुणसूत्र लिंग निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण है और विभिन्न जैविक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- हाल के जीनोमिक अध्ययनों से पता चला है कि एक्स गुणसूत्र कुछ रोगों के प्रति लिंग-विशिष्ट संवेदनशीलता को प्रभावित करता है।
- मानव X गुणसूत्र लगभग 800 जीनों को कूटबद्ध करता है, जो जैविक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक प्रोटीन उत्पन्न करते हैं।
- इन जीनों की कार्यक्षमता में कमी से विभिन्न आनुवंशिक रोग उत्पन्न हो सकते हैं।
- एक्स-लिंक्ड आनुवंशिक रोग मुख्यतः पुरुषों को प्रभावित करते हैं, क्योंकि उनमें केवल एक एक्स गुणसूत्र होता है।
- एक्स-लिंक्ड रोगों के उदाहरणों में लाल-हरा वर्णांधता, ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और एगमैग्लोबुलिनेमिया शामिल हैं।
- X गुणसूत्र, **XCI एस्केप (X गुणसूत्र निष्क्रियता) और X-गुणसूत्र एन्यूप्लोइडी से प्रभावित रोगों में भी शामिल हो सकता है।**
- **क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (XXY) और टर्नर सिंड्रोम (XX के बजाय X) X गुणसूत्र की संख्यात्मक असामान्यताओं के उदाहरण हैं।**

एक्स गुणसूत्र का निष्क्रिय होना

- स्तनधारियों में, मादाओं में दो X गुणसूत्र होते हैं, जबकि नरों में एक X और एक Y गुणसूत्र होता है।
- मैरी फ्रांसिस लियोन ने 1961 में प्रस्तावित किया था कि X-लिंक्ड जीन की अति अभिव्यक्ति को रोकने के लिए महिलाओं में X गुणसूत्रों में से एक को यादृच्छिक रूप से निष्क्रिय कर दिया जाता है।
- इस प्रक्रिया को **एक्स गुणसूत्र निष्क्रियता (एक्ससीआई) के नाम से जाना जाता है** और यह प्रारंभिक भ्रूण विकास के दौरान होती है।
- XCI में एपिजेनेटिक परिवर्तन शामिल होते हैं जो X गुणसूत्रों में से एक पर स्थित अधिकांश जीनों को निष्क्रिय कर देते हैं।
- XCI पुरुषों और महिलाओं के बीच जीन अभिव्यक्ति में संतुलन सुनिश्चित करता है।
- अपूर्ण निष्क्रियता या विषम निष्क्रियता जैसे मुद्दे असामान्य जीन अभिव्यक्ति को जन्म दे सकते हैं और आनुवंशिक विकारों में योगदान कर सकते हैं।
- XCI को गैर-प्रोटीन-कोडिंग RNAs, Xist और Tsix द्वारा विनियमित किया जाता है , जो X गुणसूत्र को निष्क्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- एक्स गुणसूत्र पर लगभग एक चौथाई जीन निष्क्रियता से बच सकते हैं और स्वयं को अभिव्यक्त करना जारी रख सकते हैं।

PatriotICAS

- व्हाइटहेड इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने इन तंत्रों की खोज की और अपने निष्कर्षों को सेल जीनोमिक्स पत्रिका में प्रकाशित किया।

स्व - प्रतिरक्षित रोग

- **ल्यूपस, रुमेटॉइड आर्थराइटिस और स्जोग्रेन सिंड्रोम जैसी कुछ प्रतिरक्षा संबंधी बीमारियाँ पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक आम हैं।**
- इन रोगों में एंटीबॉडीज शामिल होते हैं जो विशिष्ट प्रोटीन के विरुद्ध कार्य करते हैं, जिन्हें ऑटोइम्यून रोग कहा जाता है।
- फ्रांसीसी शोधकर्ताओं ने 3 मई को साइंस एडवांसेज में एक अध्ययन प्रकाशित किया, जिसमें दिखाया गया कि मादा चूहों में एक्स गुणसूत्र निष्क्रियता (XCI) को सक्रिय करने वाले जीन, ज़िस्ट (Xist) की अभिव्यक्ति में परिवर्तन करने से पहले निष्क्रिय जीन पुनः सक्रिय हो गए।
- प्रतिरक्षा कोशिकाओं में टोल-जैसे रिसेप्टर 7 सिग्नलिंग मार्ग में शामिल जीन इस पुनर्सक्रियन से विशेष रूप से प्रभावित हुए।
- परिवर्तित XCI वाली मादा चूहों में ल्यूपस के समान लक्षण दिखाई दिए, जैसे कि स्वप्रतिपिंडों के स्तर में वृद्धि और प्रतिरक्षा कोशिका आबादी में परिवर्तन।
- विशिष्ट एक्स-लिंक्ड जीनों का पुनर्सक्रियन विभिन्न प्रकार की प्रतिरक्षा कोशिकाओं में भिन्न-भिन्न होता है, जिससे विविध आणविक मार्ग प्रभावित होते हैं।
- विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में ये पुनर्सक्रियन घटनाएं तथा जीन अभिव्यक्ति में वैश्विक परिवर्तन, संभवतः स्वप्रतिरक्षी रोगों के विकास में योगदान करते हैं।
- अध्ययन में आणविक स्तर पर परिवर्तित XCI और स्वप्रतिरक्षी रोगों के बीच संबंध को रेखांकित किया गया है।
- निष्कर्ष बताते हैं कि XCI मार्ग को लक्षित करने वाली नई दवाएं भविष्य में स्वप्रतिरक्षी रोगों का इलाज कर सकती हैं।

एक्स और अल्ज़ाइमर रोग

- **अल्जाइमर रोग में लैंगिक पूर्वाग्रह देखने को मिलता है, जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसका जोखिम अधिक होता है।**
- दुनिया भर में, पुरुषों की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या में महिलाएं अल्जाइमर रोग से प्रभावित हैं।
- केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का सुझाव है कि यूबिक्विटिन-स्पेसिफिक पेप्टिडेज़ 11 (यूएसपी11) नामक जीन, जो प्रोटीन को संशोधित करने में शामिल है, मस्तिष्क में टाउ प्रोटीन के संचय को प्रोत्साहित करता है।
- चूहों के मस्तिष्क पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि USP11 एक्स गुणसूत्र निष्क्रियता से बच जाता है तथा मादाओं में अधिक अभिव्यक्त होता है।
- यह खोज अल्जाइमर रोग के लिए उपचार विकसित करने के नए रास्ते सुझाती है।
- समय के साथ, Y गुणसूत्र सिकुड़ता जा रहा है, जिससे X गुणसूत्र विकास का प्राथमिक केंद्र बन गया है तथा मानव स्वास्थ्य और रोग में यह एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है।

PatriotIAS

- एक्स गुणसूत्र के विकासवादी जीनोमिक्स और जैविक प्रक्रियाओं में इसकी भूमिका के बारे में उभरती हुई अंतर्दृष्टि आनुवंशिक विरासत, एपिजेनेटिक संशोधन और रोग विकास के बीच जटिल अंतःक्रिया को उजागर करती है।
- इन जटिलताओं को समझने से भविष्य में नई दवाओं और उपचारों का विकास हो सकता है।

झरना सफेद क्यों दिखाई देता है? (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)

{Why a waterfall appears white}

- जब किसी वस्तु की सतह से सभी रंग परावर्तित हो जाते हैं तो वह सफेद दिखाई देती है।
- झरने में पानी की बूंदें हवा में लटकी रहती हैं, जिससे पानी और हवा का एक विषम मिश्रण बनता है।
- वायु से जल में प्रवेश करने वाला प्रकाश परावर्तन और अपवर्तन से गुजरता है।
- झरने में पानी की बूंदों के कारण प्रकाश कई बार परावर्तन और अपवर्तन से गुजरता है।
- बूंदों की एक परत द्वारा अपवर्तित प्रकाश अगली परतों पर परावर्तन में योगदान देता है, जिससे सफेदी उत्पन्न होती है।
- अन्य पदार्थ जैसे धुंध, कागज, जल वाष्प, कोलाइडल विलयन, बादल, टैल्कम पाउडर, बर्फ, सफेद पेंट और चीनी भी समान क्रियाविधि के कारण सफेद दिखाई देते हैं।
- सफेद पेंट में पारदर्शी घोल में जिंक, लेड और टाइटेनियम के पारदर्शी ऑक्साइड होते हैं, न कि सफेद रंगद्रव्य।
- झरने को सफेद देखने के लिए प्रकाश सभी दिशाओं से आना चाहिए; दिशात्मक प्रकाश इंद्रधनुष जैसे रंग दिखाएगा।

Patriot

जलवायु परिवर्तन, भारतीय राजनीति में एक गुजरता हुआ बादल (22 मई) (GS PAPER II और III: राजनीति और पर्यावरण)

{Climate change, a passing cloud in Indian politics}

- भारत के आम चुनाव का पांचवां चरण संपन्न हो गया है।
- प्रमुख पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस, ने अपने अभियानों में जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है।
- वैश्विक पर्यावरणीय संकट और सतत विकास की आवश्यकता को देखते हुए यह चिंताजनक है।
- पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख में पारिस्थितिकी क्षरण पर प्रकाश डाला।
- वांगचुक ने राष्ट्रीय नीतियों में जलवायु कार्रवाई को शामिल करने के महत्व पर बल दिया।
- लद्दाख में पर्यावरण सुरक्षा के लिए उनके आह्वान को जनता और सोशल मीडिया द्वारा व्यापक समर्थन मिला।
- मोदी सरकार की प्रतिक्रिया न्यूनतम रही है।
- यह चुनावों में पर्यावरणीय मुद्दों को प्राथमिकता देने की व्यापक राजनीतिक अनिच्छा को दर्शाता है।

एक गणना की गई चूक

- भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जानबूझकर अपने चुनावी मंचों पर जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने से बचते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता में संतुलन स्थापित करना आवश्यक होगा।
- इस संतुलन को स्वीकार करने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भर प्रभावशाली औद्योगिक क्षेत्र अलग-थलग पड़ सकते हैं।
- दोनों दलों के घोषणापत्रों में जलवायु नीतियों का अस्पष्ट उल्लेख है तथा विशिष्ट प्रतिबद्धताओं का उल्लेख नहीं है।
- कांग्रेस के घोषणापत्र में पर्यावरण पर एक अध्याय शामिल है तथा इसमें ग्रीन न्यू डील का प्रस्ताव है, लेकिन इसमें विशिष्ट कार्बन कटौती लक्ष्यों का अभाव है।
- भाजपा के घोषणापत्र में अतीत की पहलों पर प्रकाश डाला गया है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के लिए दूरदर्शी रणनीतियों का अभाव है।
- दोनों ही पक्ष जलवायु संबंधी ऐसी ठोस प्रतिबद्धताएं बनाने से बचते हैं जो तत्काल कार्रवाई के लिए वैश्विक वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप हों।
- भारतीय राजनीति में अक्सर दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता की तुलना में अल्पकालिक आर्थिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है।
- भारत जलवायु प्रभावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है: समुद्र का बढ़ता स्तर, चरम मौसम, गंभीर वायु प्रदूषण।
- चुनावी चर्चाओं में जलवायु परिवर्तन की अनदेखी से शिक्षित, मध्यम वर्ग के मतदाता निराश होते हैं, जो पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति चिंतित रहते हैं।
- यह जनसांख्यिकी सांकेतिक उल्लेख से अधिक कुछ चाहती है; वे कार्यान्वयन योग्य योजनाओं और पेरिस समझौते जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के पालन की मांग करते हैं।
- महत्वाकांक्षी जलवायु नीतियों की कथित राजनीतिक लागत के कारण मतदाताओं की आवश्यकताओं और राजनीतिक पेशकश के बीच अंतर है।

व्यापक जलवायु रणनीतियों में निम्नलिखित अलोकप्रिय उपाय शामिल हो सकते हैं:

PatriotICIAS

1. कोयले का चरणबद्ध तरीके से उन्मूलन
2. कार्बन उत्सर्जन पर कर या कीमतें बढ़ाना
3. सख्त पर्यावरणीय नियमों को लागू करना

- यद्यपि ये उपाय दीर्घावधि में लाभकारी हैं, लेकिन अल्पावधि में इन्हें राजनीतिक रूप से जोखिमपूर्ण माना जाता है।

अब हमारे पास क्या है?

- **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना: यह** विभिन्न दस्तावेजों और कानूनों के माध्यम से भारत की जलवायु नीतियों का मार्गदर्शन करती है।
- **2023 प्रमुख नीतियाँ:**
  - **राष्ट्रीय विद्युत योजना 2023**
  - **राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन**
  - **ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2022**
- **कोयला प्रतिबद्धता:** कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं।
- **शीर्ष-से-नीचे दृष्टिकोण:** नीतियां शीर्ष नेताओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रुझानों और तत्काल जरूरतों के आधार पर बनाई जाती हैं।
- **नीचे से ऊपर की ओर मांग का अभाव:** कुछ ही नागरिक सुधारात्मक जलवायु नीतियों की मांग करते हैं।
- **जलवायु कार्रवाई ट्रैकर रेटिंग:** भारत की नीतियों को 2030 के अनुमानों के लिए "अत्यधिक अपर्याप्त" माना गया।
- **राज्य और स्थानीय कार्रवाई:** राज्यों, विशेषकर कमजोर राज्यों को, अनुमानों को 2 डिग्री पूर्व-औद्योगिक स्तर से नीचे लाने के लिए योजनाएं विकसित करने की आवश्यकता है।
  - **उदाहरण:** सी40 और विश्व संसाधन संस्थान के सहयोग से नगरपालिका द्वारा बनाई गई मुंबई जलवायु कार्य योजना।
- **जलवायु न्यायशास्त्र:**
  - **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय (मार्च 2024): एम.के. रंजीतसिंह एवं अन्य बनाम भारत संघ मामले** में न्यायालय ने निर्णय दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 और 14 के आधार पर भारतीयों को प्रतिकूल जलवायु प्रभावों से मुक्त रहने का अधिकार है।
  - यह निर्णय सरकार की जलवायु नीतियों को कानूनी जांच तथा नागरिकों के प्रति जवाबदेही के अधीन करता है ।

चुनौती

PatriotICIAS

- **भारत के लिए चुनौती:**
    - चुनावी राजनीति और जलवायु नीति के बीच की खाई को पाटना।
    - राजनीतिक ध्यान को तात्कालिक आर्थिक लाभों से हटाकर दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक लाभों पर केन्द्रित करें।
- **मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका:**
    - जलवायु परिवर्तन पर वर्तमान राजनीतिक चर्चा में अपर्याप्तताओं को उजागर करें।
    - भारत के विकास एजेंडे में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक आख्यान को आगे बढ़ाना।
- **2024 आम चुनाव का अवसर:**
    - मतदाताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग को, नेताओं से जलवायु परिवर्तन के संबंध में सक्रिय कार्रवाई की मांग करनी चाहिए।
    - ऐसी नीतियों का समर्थन करें जो टिकाऊ विकास और पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करें।
- **चुनावी प्रभाव:**
    - जलवायु नीति को राष्ट्रीय विकास रणनीतियों में एकीकृत करने पर जोर देना।
    - सुनिश्चित करें कि वर्तमान प्रगति से भविष्य की सुरक्षा पर कोई समझौता न हो।
- **वैश्विक प्रभाव:**
    - चुने गए विकल्प जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई को प्रभावित करेंगे।
    - विश्व भर में सतत विकास के भविष्य को प्रभावित करना।

प्री-एक्लेमप्सिया पर प्रकाश डालना, सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना (22 मई) (GS PAPER III: मूल विज्ञान)

{Spotlighting pre-eclampsia, ensuring safe motherhood}

- एक बार एक मित्र ने कहा था, "क्या शारीरिक रूप से सामान्य, तंत्रिका विज्ञान की दृष्टि से स्वस्थ बच्चे को जन्म देना चमत्कार नहीं है?"
- इससे माता और नवजात दोनों के लिए प्रसवपूर्व देखभाल के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला गया।
- **सुरक्षित मातृत्व एवं जन्म:**

PatriotICIAS

- सुरक्षित जन्म सुनिश्चित करने में नवजात शिशुओं में जन्मजात विसंगतियों और तंत्रिका संबंधी चुनौतियों का समाधान करना शामिल है।

- **मुद्दों की व्यापकता:**
  - जन्मजात विसंगतियाँ और तंत्रिका संबंधी चुनौतियाँ जितनी स्वीकार की जाती हैं, उससे कहीं अधिक आम हैं।

- **तंत्रिका संबंधी कमी का कारण:**
  - नवजात शिशुओं में तंत्रिका संबंधी कमियां अपर्याप्त प्रसवपूर्व और प्रसवकालीन देखभाल के परिणामस्वरूप हो सकती हैं।
  - यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

एक सामूहिक जिम्मेदारी

- **प्रसवकालीन देखभाल में हितधारक:**
  - इसमें प्रसूति विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ, नवजात रोग विशेषज्ञ और आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जैसे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता शामिल हैं।
  - उचित प्रसवपूर्व देखभाल के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।

- **प्रसवपूर्व देखभाल का महत्व:**
  - "जीवन जन्म से पहले शुरू होता है" आजीवन स्वास्थ्य पर प्रसवपूर्व देखभाल के प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

- **रोकथाम योग्य स्थितियाँ:**
  - समय से पूर्व जन्म, जन्म के समय कम वजन, विकास संबंधी बाधा, तथा प्री-एक्लेमप्सिया जैसी स्थितियां मातृ एवं नवजात शिशु की रुग्णता एवं मृत्यु दर में योगदान करती हैं।
  - गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप संबंधी विकार (एचडीपी) इन स्थितियों का कारण बन सकते हैं और इनके दीर्घकालिक प्रभाव हो सकते हैं।

- **दीर्घकालिक जटिलताएँ:**
  - एचडीपी से वयस्कता में उच्च रक्तचाप, मेटाबोलिक सिंड्रोम, हृदय रोग, डिसलिपिडेमिया और स्ट्रोक हो सकता है।
  - इन जटिलताओं से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है।

- **एचडीपी पर उभरते साक्ष्य:**

PatriotiAS

- प्री-एक्लेमप्सिया से माताओं में हृदयाघात, कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक और हृदयवाहिनी मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है।

- **प्रसवोत्तर हृदय स्वास्थ्य:**
  - प्रसवोत्तर हृदय-संवहनी मूल्यांकन पर ध्यान केन्द्रित करने से महिलाओं के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार हो सकता है।
  - प्रसवोत्तर मातृ हृदय-संवहनी स्वास्थ्य, विशेष रूप से प्री-एक्लेमप्सिया के बाद, एक उपेक्षित शोध क्षेत्र है।

आंकड़ा

- **गर्भावस्था स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को संबोधित करने का महत्व:**
  - विश्व में गर्भावस्था के दौरान होने वाली लगभग एक-चौथाई प्रतिकूल घटनाओं के लिए भारत जिम्मेदार है।
  - इन चिंताओं का समाधान करना नैतिक अनिवार्यता और आर्थिक आवश्यकता दोनों है।
- **एनएफएचएस-5 आंकड़े:**
  - प्रसवकालीन मृत्यु दर: प्रति 1,000 गर्भधारण पर 32.
  - नवजात मृत्यु दर: प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 25.
  - गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप संबंधी विकार मातृ मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।
- **प्री-एक्लेमप्सिया (पीई) रोकथाम माह:**
  - मई माह "पीई रोकथाम माह" है, तथा 22 मई को विश्व पीई दिवस मनाया जाता है।
  - प्री-एक्लेमप्सिया एक उच्च रक्तचाप संबंधी विकार है, जो माताओं में बहु-अंग शिथिलता का कारण बनता है।
  - लक्षणों में उच्च रक्तचाप, सूजन, गंभीर सिरदर्द, दृष्टि में परिवर्तन, पेट में दर्द और सांस लेने में कठिनाई शामिल हैं।
- **सुरक्षित मातृत्व के लिए सक्रिय उपाय:**
  - प्रथम तिमाही में प्री-एक्लेम्पसिया और भ्रूण विकास प्रतिबंध के लिए स्क्रीनिंग लागू करें।
  - उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का स्थापित प्रोटोकॉल के साथ प्रबंधन करें।
- **स्क्रीनिंग और प्रबंधन:**
  - प्री-एक्लेमप्सिया के प्रतिकूल परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए अकेले नैदानिक मानदंड अपर्याप्त हैं।

PatriotICIAS

- संयुक्त स्क्रीनिंग विधियों का उपयोग करें:
    - मातृ इतिहास
    - जनसांख्यिकी
    - कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड
    - मतलब धमनी दबाव
    - प्लेसेंटल बायोमार्कर
    - उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के लिए समय पर औषधीय हस्तक्षेप।
- **व्यापक देखभाल:**
    - निगरानी और शीघ्र पहचान के लिए प्री-एक्लेमप्सिया के लिए दूसरी और तीसरी तिमाही की जांच आयोजित करें।
    - कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड का उपयोग आधारशिला के रूप में करें।

भारत में एक कार्यक्रम

- **प्री-एक्लेम्पसिया से मुकाबला:**
    - महत्व: प्री-एक्लेमप्सिया गर्भावस्था के दौरान होने वाला एक गंभीर, पूर्वानुमानित और रोकथाम योग्य उच्च रक्तचाप संबंधी विकार है।
    - आवश्यकता: विकार के बारे में जागरूकता फैलाना।
- **आईआरआईए का संरक्षण कार्यक्रम :**
    - मिशन: भारत के सभी जिलों में सुरक्षित मातृत्व पहल का विस्तार करना।
    - लक्ष्य:
        - प्री-एक्लेम्पसिया की घटना को 8%-10% से घटाकर 3% करना।
        - दशक के अंत तक भ्रूण की वृद्धि बाधा को 25%-30% से घटाकर 10% करना।
    - गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए जोखिम कम करने के प्रति समर्पण का उदाहरण।
- **सामुदायिक सहभागिता और नेतृत्व:**
    - सफलता के लिए आवश्यक: समुदाय को शामिल करें और निरंतर नेतृत्व बनाए रखें।
    - उद्देश्य: सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना ताकि हर महिला आत्मविश्वास और सुरक्षा के साथ जन्म दे सके।

PatrioticIAS

बदलाव के लिए वोट करें (22 मई)

{Vote for a change}

कश्मीरियों ने यथास्थिति में बदलाव लाने के लिए मतपेटी का उपयोग करने की मांग की है

- **कश्मीर घाटी में मतदान प्रतिशत:**
  - **श्रीनगर मतदान:** 38.5%
  - **बारामूला मतदान:** 59.1%
  - **राष्ट्रीय औसत:** पहले चार चरणों में 66.95%, पांचवें चरण में 61.61%।
- **पिछले चुनावों से तुलना:**
  - **2019 मतदान:** श्रीनगर में 13%, बारामुल्ला में 34.6%.
  - **ऐतिहासिक संदर्भ:** 1984 के बाद से बारामूला में सबसे अधिक मतदान (61.1%)।
  - **राजनीतिक संदर्भ:**
    - विधानसभा भंग.
    - राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया।
    - भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने विशेष दर्जा समाप्त कर दिया।
    - इंटरनेट बंद करना और राजनेताओं की गिरफ्तारियां।
    - उच्च सुरक्षा एवं उग्रवादी हिंसा।
- **बढ़े हुए मतदान की व्याख्या:**
  - **अस्पष्टता:** अलगाव में कमी का स्पष्ट संकेत नहीं।
  - **परिवर्तन की इच्छा:** मतदाता 2018 से राजनीतिक गतिविधि की कमी के कारण यथास्थिति में परिवर्तन चाहते हैं।
  - **प्रतिनिधित्व की आवश्यकता:** बढ़ी हुई भागीदारी प्रतिनिधित्व की आवश्यकता और आजीविका संबंधी चिंताओं के समाधान को दर्शाती है।
- **सरकार की प्रतिक्रिया:**
  - **अमित शाह का बयान:** अधिक मतदान को विशेष दर्जा (अनुच्छेद 370) हटाने के निर्णय के रूप में देखा जा रहा है।

PatriotiAS

- **बयान की आलोचना:** घाटी में भाजपा उम्मीदवारों की कमी अलग स्थानीय धारणा को दर्शाती है।
- **निष्कर्ष:** मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी को राजनीतिक समाधान और लोगों की शिकायतों को सुनने के आह्वान के रूप में देखा जाना चाहिए।

सजा समाप्त करें (22 मई) (GS PAPER IV: नैतिकता)

{End the punishment}

असांजे को रिहा किया जाना चाहिए, न कि अमेरिका को प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए

- **जूलियन असांजे को कानूनी राहत:**
  - **परिणाम:** अमेरिका में प्रत्यर्पण के विरुद्ध अपील करने की अनुमति दी गई
  - **अपील की शर्तें:** अमेरिका को यह आश्वासन देना होगा कि असांजे प्रथम संशोधन (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) पर भरोसा कर सकेंगे, विदेशी नागरिक होने के कारण उन्हें पक्षपात का सामना नहीं करना पड़ेगा, तथा उन्हें मृत्युदंड का सामना नहीं करना पड़ेगा।
  - **आश्वासन:** अमेरिका ने मृत्युदंड से बचने के लिए एक "स्पष्ट कार्यकारी वादा" किया।
- **मामले की पृष्ठभूमि:**
  - **अप्रैल 2010:** विकीलीक्स ने बगदाद में अमेरिकी हेलीकॉप्टर हमले का वीडियो प्रकाशित किया।
  - **बाद में लीक हुए दस्तावेज:** इसमें अमेरिकी सैन्य दस्तावेज और राजनयिक केबल शामिल थे।
  - **आरोप:** असांजे पर 2019 में अमेरिकी सरकार द्वारा जासूसी अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया।
  - **असांजे की नजरबंदी:** इक्वाडोर के दूतावास में सात वर्ष और ब्रिटेन के बेलमार्श जेल में पांच वर्ष।
  - **तुलना:** विकीलीक्स को दस्तावेज लीक करने वाली चेल्सी मैनिंग को शुरू में 35 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसे 2017 में कम कर दिया गया।
- **कानूनी तर्क और विवाद:**
  - **आलोचना:** अमेरिकी सरकार के अनुसार असांजे द्वारा नामों को हटाने में विफलता से व्यक्तियों को खतरा पैदा हो गया है।

PatriotIAS

    - **रक्षा:** मानव अधिकारों के उल्लंघन को उजागर करना, जैसे युद्ध के दौरान नागरिकों को निशाना बनाना।
    - **सार्वजनिक सेवा:** विकीलीक्स ने तर्क दिया कि यह विवेक-संचालित पत्रकारिता के समान भूमिका निभाता है।
    - **सजा:** असांजे की लंबी अवधि की नजरबंदी को देखते हुए, उन्हें घर लौटने की अनुमति दिए जाने की मांग की जा रही है।
- **वैश्विक ध्यान और महत्व:**
    - **प्रभाव:** इस मामले ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और सरकारी पारदर्शिता के मुद्दे उठाए हैं।
    - **कानूनी मिसाल:** अंतर्राष्ट्रीय कानून और प्रत्यर्पण समझौतों के लिए संभावित निहितार्थ।
- **अगले कदम:**
    - **अपील की तैयारी:** असांजे के पास प्रत्यर्पण के विरुद्ध अपील की तैयारी के लिए कुछ महीने का समय है।
    - **निर्णय की प्रतीक्षा:** अपील का परिणाम यह निर्धारित करेगा कि उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाएगा या नहीं

रूस की परमाणु स्थिति के जोखिम (22 मई) (GS PAPER II: परमाणु सिद्धांत)

{The risks of Russia's nuclear posturing}

- रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है।
- रूस ने हाल ही में यूक्रेनी सीमा पर सामरिक परमाणु हथियारों के प्रयोग का अभ्यास करने की योजना की घोषणा की है।
- इससे पहले रूस ने कहा था कि वह बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा, जिससे चिंताएं बढ़ गयी थीं।
- रूस ने अपनी परमाणु नीति के पीछे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड कैमरन जैसे यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों के नेताओं के बयानों का हवाला दिया।
- मैक्रों ने यूक्रेन में संभावित सैन्य तैनाती का सुझाव दिया, जबकि कैमरन ने रूस पर हमला करने के लिए यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार उपलब्ध कराने की बात कही।
- चल रहे संघर्ष के बीच इस परमाणु रुख ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंता और चिंता बढ़ा दी है।
- इससे संभावित वृद्धि और क्षेत्र की सुरक्षा के बारे में भी चिंता उत्पन्न होती है।

PatriotICIAS

- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा स्थिति पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है।
- संघर्ष के कारण उत्पन्न मानवीय संकट के शांतिपूर्ण समाधान और समाधान के प्रयास जारी हैं।

समझ में बदलाव

- सामरिक परमाणु हथियारों के प्रयोग की नकल करने तथा बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने की रूस की योजनाएं, वास्तविक अस्तित्वगत खतरे की प्रतिक्रिया के बजाय, खतरे की कगार पर पहुंचने की रणनीति तथा दबाव बनाने का प्रयास प्रतीत होती हैं।
- रूस का यह दावा कि इमैनुएल मैक्रों और डेविड कैमरन जैसे नेताओं की टिप्पणियां अस्तित्व के लिए खतरा हैं, परमाणु तैयारियों की आवश्यकता है, अतिशयोक्तिपूर्ण है। न तो फ्रांस और न ही ब्रिटेन ने ऐसी कोई कार्रवाई की है जो वास्तव में रूस के अस्तित्व को खतरे में डालती हो।
- सतही तौर पर, रूस का परमाणु रुख यूक्रेन और उसके सहयोगियों द्वारा आगे हस्तक्षेप को रोकने के लिए उठाया गया कदम प्रतीत हो सकता है।
- प्रतिरोध के लिए परमाणु हथियारों के पहले प्रयोग की धमकी देना, उत्तर कोरिया जैसी परमाणु शक्तियों द्वारा अपनाई जाने वाली एक रणनीति है, जो बड़े शत्रुओं से खतरे का सामना कर रही हैं।
- हालाँकि, रूस मौजूदा संकट में परमाणु हथियारों के उपयोग की सीमा को कम करने पर विचार कर रहा है।
- यदि परमाणु उपयोग की सीमा को कम करना एक स्वीकार्य मानदंड बन जाता है, तो इसके महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं।
- इस स्थिति से संभावित वृद्धि और क्षेत्र की सुरक्षा के बारे में अंतर्राष्ट्रीय चिंताएं उत्पन्न हो गई हैं।
- संघर्ष के कारण उत्पन्न मानवीय संकट के शांतिपूर्ण समाधान और समाधान के प्रयास जारी हैं।
- शीत युद्ध के बाद के दशकों तक, परमाणु निवारण पारस्परिक रूप से सुनिश्चित विनाश के सिद्धांत पर निर्भर रहा है, जिसका अर्थ है कि परमाणु हथियारों के किसी भी उपयोग से दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक विनाश होगा।
- ऐतिहासिक रूप से देशों ने परमाणु विकल्प को शत्रुओं द्वारा उत्पन्न अस्तित्वगत खतरों के लिए सुरक्षित रखा है।
- वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध में, संघर्ष मुख्यतः पारंपरिक स्तर पर अस्थिरता पैदा करने वाला है तथा इससे रूस के अस्तित्व को सीधे तौर पर खतरा नहीं है।
- इसके बावजूद, रूस ने परमाणु हथियारों के उपयोग पर विचार करने की अपनी इच्छा व्यक्त की है।
- रूस के परमाणु सिद्धांत ने ऐतिहासिक रूप से केवल चरम मामलों में ही परमाणु प्रथम प्रयोग की अनुमति दी है, जिससे उसके अस्तित्व को खतरा हो।
- यह तथ्य चिंताजनक है कि इस संघर्ष के दौरान इन दीर्घकालिक परमाणु लाल रेखाओं को और अधिक खींचा जा रहा है तथा पुनः खींचा जा रहा है।
- ये बदलाव परमाणु निवारण की बुनियादी समझ में चिंताजनक परिवर्तन दर्शाते हैं।

ख़तरनाक मिसाल

- संघर्ष के निचले स्तर के दौरान रूस की स्पष्ट परमाणु धमकियाँ चिंताजनक और खतरनाक हैं।

Patriotic IAS

- यदि परमाणु शक्तियां पारंपरिक संघर्षों में बलपूर्वक परमाणु हथियारों के प्रयोग की धमकी देने लगें, तो यह एक मिसाल कायम कर सकता है।
- यह व्यवहार ईरान और उत्तर कोरिया जैसे छोटे परमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों को भी अपनी परमाणु क्षमताओं का खुलेआम प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।
- इन राष्ट्रों का मानना हो सकता है कि अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने से शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी तनाव बढ़ने के भय से पीछे हट जाएंगे।
- यद्यपि रूस द्वारा सामरिक परमाणु हमला करने की संभावना कम है, फिर भी उसका परमाणु संकेत एक जोखिमपूर्ण मिसाल कायम करता है।
- परमाणु हथियार, जिन्हें पारंपरिक रूप से अंतिम विकल्प के हथियार के रूप में देखा जाता है, अब बलपूर्वक रणनीतियों में शामिल किए जा रहे हैं।
- इस संघर्ष के संदर्भ में परमाणु और पारंपरिक युद्ध के बीच स्पष्ट अंतर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।
- रूस की हालिया परमाणु धमकियाँ खतरनाक मिसाल कायम कर रही हैं।
- ये कार्यवाहियां परमाणु हथियारों के अप्रसार और निरस्त्रीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को कमजोर करती हैं।
- गैर-परमाणु राज्य अब परमाणु-सशस्त्र राज्यों की आक्रामकता के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं।
- रूस की कार्रवाइयां अन्य देशों को निवारक के रूप में परमाणु हथियार विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।
- 1990 के दशक में यूक्रेन द्वारा अपने परमाणु शस्त्रागार को त्यागने का निर्णय वर्तमान घटनाओं के मद्देनजर अनुचित प्रतीत होता है।
- इजरायल से अस्तित्वगत खतरों के जवाब में अपने परमाणु सिद्धांत पर पुनर्विचार करने संबंधी ईरान का बयान अप्रसार प्रयासों को कमजोर करता है।
- इससे उत्तर कोरिया जैसे छोटे राष्ट्र अपनी परमाणु क्षमताएं त्यागने या निरस्त्रीकरण करने से हतोत्साहित हो सकते हैं।
- इस स्थिति ने एक नया परमाणु टकराव बिंदु पैदा कर दिया है, जिससे परमाणु हथियारों के उपयोग की सीमा कम होने से जोखिम बढ़ गया है।
- रूस की कार्रवाइयां इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि किस प्रकार परमाणु हथियार पारंपरिक युद्ध में असममित लाभ प्रदान करते हैं।
- इससे राज्यों के बीच लंबे समय से तनाव वाले क्षेत्रों में प्रसार संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं।
- परमाणु युद्ध और परमाणु अस्थिरता की संभावना बढ़ रही है, जिससे निवारण और निरस्त्रीकरण के प्रयास प्रभावित हो रहे हैं।

कांग्रेस के लिए चिंताजनक स्थिति (22 मई)

{A worrying prospect for the Congress}

PathfinderIAS

इस चुनाव में पार्टी को एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा है

- भाजपा केरल के द्विध्रुवीय राजनीतिक परिदृश्य में खुद को स्थापित करने के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है।
- वर्तमान परिदृश्य में विपक्ष के रूप में कांग्रेस को कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।
- लोकसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस नेतृत्व को चुनौतियों को समझने और उनसे निपटने में मदद करेंगे।
- के.पी.सी.सी. अध्यक्ष के. सुधाकरन ने कन्नूर से चुनाव लड़ने के बाद अपना कार्यभार पुनः संभाल लिया।
- संभावित नेतृत्व परिवर्तन की चिंताओं के बीच सुधाकरन ने अपना पद बरकरार रखने के लिए आक्रामक संघर्ष किया।
- पार्टी में नियमित फेरबदल के कारण कांग्रेस के अच्छा प्रदर्शन करने पर भी उनकी बहाली की गारंटी नहीं है।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल ने केरल से चुनाव लड़ा।
- गांधी के वायनाड में जीतने की उम्मीद है, लेकिन उन्हें एनी राजा और के. सुरेन्द्रन जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना पड़ रहा है।
- ऐसी संभावना है कि वायनाड में गांधी की जीत का अंतर पिछले 4.31 लाख से कम हो सकता है।
- राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली से भी चुनाव लड़ा था।
- यदि केसी वेणुगोपाल अलप्पुझा में जीतते हैं, तो वह 2019 में सीपीआई (एम) द्वारा जीती गई एकमात्र सीट छीन लेंगे।
- वेणुगोपाल की जीत के अंतर पर कड़ी नजर रहेगी।
- भाजपा की राज्य उपाध्यक्ष शोभा सुरेन्द्रन के अलप्पुझा चुनाव में उतरने से चुनावी समीकरण बदल गए हैं।
- खड़गे के बाद दूसरे स्थान पर हैं ।
- कई हाई-प्रोफाइल कांग्रेस उम्मीदवार त्रिकोणीय मुकाबले में चुनाव लड़ रहे हैं।
- केपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और वडकारा के वर्तमान सांसद के. मुरलीधरन त्रिशूर से भाजपा के अभिनेता-राजनेता सुरेश गोपी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।
- सुरेश गोपी ने 2019 में कुल वोटों का लगभग एक-तिहाई वोट हासिल किया।
- यदि मुरलीधरन त्रिशूर में हार जाते हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुईं पद्मजा वेणुगोपाल का इस क्षेत्र में अधिक प्रभाव है।
- त्रिशूर उनके दिवंगत पिता के. करुणाकरण का राजनीतिक गढ़ था।
- पद्मजा वेणुगोपाल ने स्वयं अपनी पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद कोई चुनावी लड़ाई नहीं जीती है।
- मुरलीधरन के कुछ समर्थक सुरेश गोपी के खिलाफ उनकी उम्मीदवारी को शहादत के रूप में देखते हैं, क्योंकि उन्होंने पार्टी नेतृत्व के अनुरोध पर ध्यान देने का निर्णय लिया है।
- प्रतापन को छोड़कर सभी मौजूदा कांग्रेस सांसदों को पुनः नामांकित किया गया , जिन्हें बदल दिया गया।

PatriotIAS

- तिरुवनंतपुरम में शशि थरूर की लगातार चौथी जीत से केरल की राजनीति और राष्ट्रीय स्तर पर उनका कद बढ़ेगा।
- शशि थरूर की हार केरल में उनके राजनीतिक करियर पर गंभीर असर डाल सकती है और हो सकता है कि वे राजधानी के राजनीतिक क्षेत्र से बाहर हो जाएं।
- कांग्रेस के भीतर आलोचक संभावित हार का इस्तेमाल थरूर की विवादास्पद कार्यशैली और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नाराज करने की उनकी प्रवृत्ति को उजागर करने के लिए कर सकते हैं।
- चालाकुडी निर्वाचन क्षेत्र से पुनः चुनाव लड़ रहे हैं ।
- चालाकुडी में बेनी बेहनान के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया है ।
- यदि बेनी बेहनान हार जाते हैं, तो कांग्रेस को निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख ईसाई मध्यम वर्ग की आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करना होगा।
- ईसाई मध्यम वर्ग की आबादी ने ट्वेंटी-20 ब्रांड की राजनीति की ओर झुकाव दिखाया है।
- कांग्रेस ने शाह को मनोनीत किया पलक्कड़ से अपने विधायक परमबिल को वडकारा से चुनाव लड़ने के लिए कहा।
- शा को मनोनीत करने का निर्णय के. मुरलीधरन को त्रिशूर स्थानांतरित किए जाने के बाद परमबिल ने सीट बरकरार रखने का लक्ष्य रखा ।
- कांग्रेस के पास एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं था और उसने शाह को चुना। परमबिल को संवेदनशील सीट से चुनाव लड़ाया जाएगा।
- इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि क्या शाह को नामांकित किया जाएगा परमबिल सही कदम था।
- ऐसी चर्चा है कि कई असंतुष्ट कांग्रेस नेता पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।
- भाजपा असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं को अपने पक्ष में करने के लिए आक्रामक तरीके से अपना एजेंडा चला रही है।
- यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केन्द्र में भाजपा नीत सरकार को हटाने में असफल रहती है तो कांग्रेस नेताओं का पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने का चलन तेज हो सकता है।

PatriotICAS

प्याज निर्यात पर बदलते नियमों से चुनाव नतीजों पर पड़ सकता है असर (22 मई)

{The changing rules on onion export could impact election results}

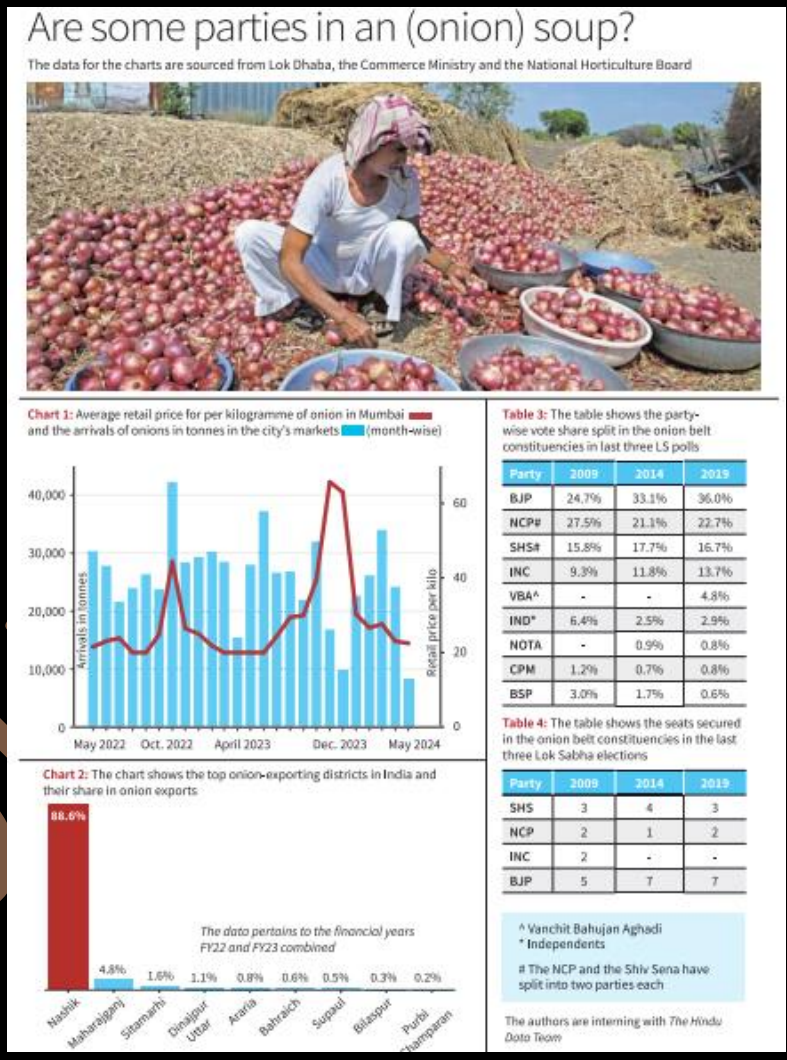

Party	2009	2014	2019
BJP	24.7%	33.1%	36.0%
NCP#	27.5%	21.1%	22.7%
SHS#	15.8%	17.7%	16.7%
INC	9.3%	11.8%	13.7%
VBA^	-	-	4.8%
IND*	6.4%	2.5%	2.9%
NOTA	-	0.9%	0.8%
CPM	1.2%	0.7%	0.8%
BSP	3.0%	1.7%	0.6%

Party	2009	2014	2019
SHS	3	4	3
NCP	2	1	2
INC	2	-	-
BJP	5	7	7

महाराष्ट्र में प्याज निर्यात नीति पर केंद्र की ढुलमुल नीति का असर कम से कम 12 संसदीय क्षेत्रों में महसूस किया जा सकता है ।

- दिसंबर 2023 में केंद्र ने बढ़ती स्थानीय कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया।
- प्रतिबंध के कारण मुंबई के बाजारों में प्याज की आवक में भारी गिरावट आई, जिससे कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गईं।
- महाराष्ट्र के नासिक जैसे प्याज उत्पादक जिलों में किसानों ने निर्यात प्रतिबंध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, राजमार्गों को अवरुद्ध किया और नीलामी में बाधा डाली।
- 25 अप्रैल, 2024 को केंद्र ने प्रतिबंध में आंशिक ढील देते हुए गुजरात से 2,000 टन सफेद प्याज के तत्काल निर्यात की अनुमति दे दी।
- इस निर्णय की महाराष्ट्र के विपक्षी नेताओं और प्याज किसानों ने आलोचना की।
- 27 अप्रैल को केंद्र ने मुख्य रूप से महाराष्ट्र से छह पड़ोसी देशों को 99,000 टन से अधिक प्याज के निर्यात की अनुमति दी थी।
- 4 मई को केंद्र ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटा लिया और न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तथा 40% निर्यात शुल्क लगा दिया।
- महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों में 13 मई और 20 मई, 2024 को मतदान हुआ।
- महाराष्ट्र में प्याज निर्यात नीतियों में लगातार बदलाव के कारण प्याज किसान परेशान हैं।
- 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले नासिक में 50 से अधिक किसानों को हिरासत में लिया गया था।
- उन्होंने प्याज निर्यात पर सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई।

Patriot

- नासिक में किसान और व्यापारी महीनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, प्याज की नीलामी स्थगित कर रहे हैं और अपना गुस्सा दिखाने के लिए हड़ताल पर जा रहे हैं।
- नासिक जिला, जो विशेष रूप से प्याज के निर्यात पर निर्भर है, अस्थिर निर्यात नीतियों को लेकर चिंतित है।
- भारत के प्याज निर्यात में इस जिले का योगदान लगभग 90% है।
- महाराष्ट्र के 'प्याज क्षेत्र' में डिंडोरी और नासिक सहित 12 संसदीय क्षेत्र हैं।
- पिछले कुछ वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति समर्थन बढ़ता जा रहा है ।
- इन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा का वोट शेयर 2009 में 25% से बढ़कर 2019 में 36% हो गया है।
- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शिवसेना के पास भी 15% से 27% तक का महत्वपूर्ण वोट शेयर है।
- एनसीपी और शिवसेना दोनों गुटों में बंट गए हैं और अलग-अलग राजनीतिक गठबंधनों का समर्थन कर रहे हैं।
- नासिक में शिवसेना के गुट 2024 के चुनावों में सीधे मुकाबले में हैं।
- डिंडोरी में शरद पवार की एनसीपी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रही है।
- कांग्रेस का वोट शेयर अपेक्षाकृत कम है, लेकिन चुनावों में इसमें बढ़ोतरी देखी गई है।
- इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पिछले वोट शेयर और सीट शेयर के आंकड़े तालिका 3 और 4 में उपलब्ध हैं।

स्थानीय पर्यावरणीय पदचिह्नों का विश्लेषण

(22 मई) (GS PAPER III: पर्यावरण)

{Analysing local environmental footprints}

- जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है, लेकिन जल की कमी और वायु प्रदूषण जैसी समस्याएं अक्सर कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रहती हैं।
- उदाहरण के लिए, एक क्षेत्र में बहुत अधिक पानी का उपयोग करने से दूसरे क्षेत्र में पानी की उपलब्धता पर आवश्यक रूप से प्रभाव नहीं पड़ता है।
- स्थानीय पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।
- इन स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि व्यक्तिगत परिवार पर्यावरण को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

भारत में घरेलू पर्यावरणीय पदचिह्न किस प्रकार वितरित किये जाते हैं?

- एक हालिया अध्ययन में भारत में धनी व्यक्तियों के पर्यावरणीय प्रभाव पर नजर डाली गई है।
- इसमें इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि उनकी विलासितापूर्ण खपत CO2 उत्सर्जन, जल उपयोग और वायु प्रदूषण (PM2.5) को किस प्रकार प्रभावित करती है।

PatriotIAS

- अध्ययन में विलासिता की वस्तुओं के पर्यावरणीय प्रभाव की तुलना गैर-विलासिता की वस्तुओं से की गई है।
- विलासिता की वस्तुओं में बाहर भोजन करना, छुट्टियाँ मनाना, फर्नीचर और सामाजिक कार्यक्रम जैसी चीजें शामिल हैं।

इस अध्ययन में पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन कैसे किया गया?

- अध्ययन में घरेलू उपभोग के पर्यावरणीय प्रभाव को समझने के लिए इनपुट/आउटपुट विश्लेषण का उपयोग किया गया।
- यह विधि घरेलू उपभोग को उत्पादन में प्रयुक्त संसाधनों से जोड़ती है।
- यह प्रत्येक उत्पादन चरण पर पर्यावरणीय प्रभावों को दर्शाता है।
- जल पदचिह्न उत्पादन में तथा घरों में प्रत्यक्ष रूप से जल के उपयोग को मापता है।
- पीएम 2.5 फुटप्रिंट में उत्पादन और प्रत्यक्ष घरेलू गतिविधियों (जैसे, ईंधन, केरोसीन, वाहन ईंधन) दोनों से होने वाले उत्सर्जन शामिल हैं।
- CO2 पदचिह्न घरेलू उपभोग से अंतर्निहित और प्रत्यक्ष CO2 उत्सर्जन दोनों को ट्रैक करता है।

मुख्य निष्कर्ष क्या थे ?

- अमीर परिवारों का पर्यावरण पर प्रभाव अधिक होता है।
- सबसे अमीर 10% लोगों के पास औसत पदचिह्न से दोगुना पदचिह्न है।
- नौवें से दसवें दशमांश तक पदचिह्नों में बड़ी वृद्धि हुई।
- वायु प्रदूषण में 68% की वृद्धि हुई।
- जल पदचिह्न में 39% की वृद्धि हुई।
- CO2 उत्सर्जन में 55% की वृद्धि हुई।
- सबसे धनी उपभोक्ताओं का पर्यावरण पर प्रभाव बहुत अधिक होता है।
- पदचिह्नों में वृद्धि विलासिता की वस्तुओं पर खर्च के कारण हुई है।

प्रमुख योगदानकर्ता कौन हैं?

- बाहर खाना खाने से सबसे अमीर परिवारों के लिए पर्यावरण पर काफी प्रभाव पड़ता है।
- फलों और मेवों के उपभोग से शीर्ष दशमलव में जल-पदचिह्न बढ़ जाता है।
- विलासिता की वस्तुएं (व्यक्तिगत सामान, आभूषण , बाहर खाना) CO2 और वायु प्रदूषण बढ़ाती हैं।
- गरीब परिवार अभी भी ईंधन के लिए लकड़ी का उपयोग करते हैं, जिससे आधुनिक ऊर्जा परिवर्तन पर प्रभाव पड़ रहा है।
- बायोमास से एलपीजी में परिवर्तन से प्रत्यक्ष उत्सर्जन कम होता है, लेकिन समृद्ध जीवन शैली से पीएम 2.5 और सीओ 2 उत्सर्जन में वृद्धि होती है।
- भारत में शीर्ष दशमलव में प्रति व्यक्ति CO2 उत्सर्जन 6.7 टन प्रति वर्ष है।

PatriotICIAS

- यह वैश्विक औसत (2010 में 4.7 टन) और पेरिस समझौते के लक्ष्य (1.9 टन) से अधिक है।
- नीति निर्माताओं को स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के लिए अभिजात्य जीवन शैली पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसके निहितार्थ क्या हैं?

- स्थिरता के प्रयास अक्सर वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित होते हैं।
- वैश्विक पर्यावरणीय पदचिह्न हमेशा स्थानीय और क्षेत्रीय पदचिह्नों से मेल नहीं खाते।
- विलासितापूर्ण उपभोग से स्थानीय और क्षेत्रीय समस्याएं बिगड़ती हैं, तथा हाशिए पर पड़े समुदाय अधिक प्रभावित होते हैं।
- हाशिये पर पड़े समूह जल की कमी और वायु प्रदूषण से अधिक पीड़ित हैं।
- संपन्न लोग सुरक्षा का खर्च उठा सकते हैं (जैसे, वातानुकूलित कारें, एयर प्यूरीफायर)।
- पर्यावरणीय न्याय के लिए बहु-फुटप्रिंट विश्लेषण महत्वपूर्ण है।
- न्यायसंगत स्थिरता प्रयासों को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।
- सौम्यजीत भार बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में सहायक प्रोफेसर हैं।

वित्तपोषण को प्रशासित करने के लिए आरबीआई का प्रस्तावित ढांचा (22 मई) (GS PAPER III: बैंकिंग क्षेत्र)

{RBI's proposed framework to administer project financing}

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुशंसित कुछ महत्वपूर्ण प्रावधान क्या हैं?

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने परामर्श के लिए मसौदा विनियम जारी कर दिए हैं।
- इन विनियमों का उद्देश्य नियामक ढांचे को मजबूत करना है।
- वे परियोजनाओं के लिए लंबी अवधि के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- इसमें शामिल क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा, गैर-बुनियादी ढांचा और वाणिज्यिक अचल संपत्ति शामिल हैं।
- हितधारकों और आम जनता को मसौदा विनियमों पर टिप्पणियां देने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए परामर्श अवधि 15 जून को समाप्त हो रही है।

इस ढांचे का उद्देश्य क्या है?

- बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निर्माण अवधि आमतौर पर लंबी होती है।
- उन्हें अक्सर आर्थिक रूप से सक्षम बनने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- इन परियोजनाओं को उनके पैमाने और प्रौद्योगिकी के कारण लंबी अवधि के ऋण की आवश्यकता होती है।
- कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी और लागत में वृद्धि होती है।
- कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मार्च में की गई समीक्षा में 1,837 परियोजनाएं शामिल की गईं।

PatriotIAS

- इनमें से 779 परियोजनाएं विलंबित हुईं तथा 449 की लागत बढ़ गई।
- देरी का कारण आमतौर पर भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय मंजूरी जैसे मुद्दे बताए जाते हैं।
- परियोजना के दायरे और आकार में परिवर्तन भी योगदान देने वाले कारक हैं।
- बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से जुड़े जोखिमों के कारण बैंक सतर्क हैं।
- बैंक अपने खातों में जोखिम मूल्य निर्धारण को तदनुसार समायोजित करते हैं।

प्रमुख संशोधन क्या हैं?

- **आरबीआई का ध्यान ऋण चूक, परियोजना में देरी या अतिरिक्त वित्तपोषण की आवश्यकता जैसी ऋण घटनाओं को रोकने पर है।**
- **मसौदा ढांचे में एक प्रमुख संशोधन प्रावधान से संबंधित है, जिसमें संभावित नुकसान की आशंका के मद्देनजर धनराशि अलग रखी जाती है।**
- **प्रस्तावित रूपरेखा में वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ होने की तिथि (डीसीसीओ) से पहले निर्माण चरण पर 5% का सामान्य प्रावधान बनाए रखने का सुझाव दिया गया है।**
- **इससे पहले प्रावधान दर 0.4% थी।**
- प्रावधान में इस वृद्धि से मध्यम अवधि में परियोजनाओं के लिए बोली लगाने में बुनियादी ढांचा डेवलपर्स की रुचि कम होने की उम्मीद है।
- 5% प्रावधान आवश्यकता को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।
- इस परिवर्तन से परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले बुनियादी ढांचा डेवलपर्स की रुचि प्रभावित होगी।

विवेकपूर्ण स्थितियों के बारे में क्या?

- इस ढांचे के तहत वित्तीय समापन से पहले सभी अनिवार्य पूर्वापेक्षाओं को पूरा करना आवश्यक है, अर्थात परियोजना के लिए वित्तीय शर्तों को अंतिम रूप दिया जाना।
- पूर्वापेक्षाओं की सांकेतिक सूची में परियोजना से संबंधित विशिष्ट पर्यावरणीय, विनियामक और कानूनी मंजूरियां शामिल हैं।
- वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ करने की तिथि (डीसीसीओ) स्पष्ट रूप से परिभाषित की जानी चाहिए।
- वित्तीय संवितरण और इक्विटी निवेश की प्रगति, पूर्णता के चरणों पर आधारित होगी।
- बैंकों को परियोजना की प्रगति प्रमाणित करने के लिए एक स्वतंत्र इंजीनियर या वास्तुकार की नियुक्ति करना आवश्यक है।
- आरबीआई का प्रस्ताव है कि परियोजना वित्तपोषण को मंजूरी देने से पहले सकारात्मक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) स्थापित किया जाना चाहिए।
- ऋणदाताओं को तनाव का सक्रिय रूप से प्रबंधन करने तथा आवश्यक कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए परियोजना के एन.पी.वी. का स्वतंत्र रूप से प्रतिवर्ष पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए।

क्या पुनर्भुगतान मानदंडों को संशोधित किया जा सकता है?

Patriots IAS

- रूपरेखा में प्रस्ताव किया गया है कि ऋण स्थगन अवधि सहित पुनर्भुगतान अवधि परियोजना के आर्थिक जीवन के 85% से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- आरबीआई परियोजना परिव्यय या दायरे में वृद्धि के कारण पुनर्भुगतान अनुसूची में परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए विशिष्ट मानदंडों की सिफारिश करता है।
- पुनर्भुगतान अनुसूची में कोई भी संशोधन वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ होने की तिथि (डीसीसीओ) से पहले होना चाहिए।
- यदि परियोजना लागत में जोखिम, किसी भी लागत वृद्धि को छोड़कर, मूल व्यय से 25% या उससे अधिक बढ़ जाता है, तो ऋणदाताओं को परियोजना की व्यवहार्यता का संतोषजनक पुनर्मूल्यांकन करना होगा।
- इस ढांचे में देरी के कारण होने वाली अतिरिक्त धनराशि के वित्तपोषण के लिए वित्तीय समापन के समय अतिरिक्त ऋण सुविधा शुरू करने के लिए दिशानिर्देश प्रस्तुत किए गए हैं।

प्रारंभिक अवलोकन क्या रहे?

- रेटिंग एजेंसी आईसीआरए (निवेश सूचना एवं क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं के लिए उच्च प्रावधान आवश्यकता से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बुनियादी ढांचा वित्तपोषण कंपनियों की निकट अवधि की लाभप्रदता प्रभावित होगी।
- एसबीआई, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा ने हाल ही में अपनी आय रिपोर्ट के दौरान विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रस्ताव का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- ये टिप्पणियां आरबीआई द्वारा बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए प्रस्तावित ढांचे के जवाब में की गईं, जिसमें प्रावधान आवश्यकताओं में वृद्धि शामिल है।
- बैंकों का मानना है कि उच्च प्रावधानों के बावजूद उनके परिचालन पर प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं होगा।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी)

एनबीएफसी या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत पंजीकृत एक कंपनी है जो बैंकिंग जैसी सेवाएं प्रदान करती है, लेकिन उसके पास पूर्ण बैंकिंग लाइसेंस नहीं होता है। इसका मतलब है कि वे पारंपरिक बैंकों की तुलना में अलग-अलग नियमों के अधीन हैं।

एनबीएफसी की प्रमुख गतिविधियां:

- **ऋण प्रदान करना:** एनबीएफसी कई तरह के ऋण प्रदान करते हैं, जिनमें व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण और व्यवसाय ऋण शामिल हैं। वे विशिष्ट जनसांख्यिकी या विशिष्ट बाजारों को लक्षित कर सकते हैं, जिन्हें पारंपरिक बैंक सेवा नहीं देते हैं।
- **जमा स्वीकार करना:** कुछ प्रकार की NBFC को एक निश्चित अवधि के लिए जनता से जमा स्वीकार करने की अनुमति है, आमतौर पर 1 से 5 साल के बीच। हालाँकि, बैंकों के विपरीत, वे चेकिंग या बचत खाते नहीं दे सकते हैं और ऐसी जमाएँ स्वीकार नहीं कर सकते हैं जिन्हें माँग पर निकाला जा सके।
- **निवेश उत्पाद:** कुछ एनबीएफसी म्यूचुअल फंड या डिबेंचर जैसे निवेश उत्पाद प्रदान करते हैं।

एनबीएफसी के उदाहरण:

- आवास वित्त कम्पनियां: ये एनबीएफसी गृह ऋण उपलब्ध कराने में विशेषज्ञ हैं।
- निवेश कम्पनियाँ: ये एनबीएफसी व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करती हैं।
- माइक्रोफाइनेंस संस्थान (एमएफआई): ये एनबीएफसी अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को छोटे ऋण प्रदान करते हैं।

PatriotIAS

- संपत्ति पर ऋण देने वाली कम्पनियां: ये एनबीएफसी, अचल संपत्ति के आधार पर व्यक्तियों को ऋण उपलब्ध कराती हैं।

एनबीएफसी के लाभ:

- ऋण तक पहुंच में वृद्धि, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो पारंपरिक बैंक ऋण के लिए पात्र नहीं हो सकते हैं।
- पारंपरिक बैंकों द्वारा पूरी न की जाने वाली विशिष्ट वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना।
- वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बात:

- एनबीएफसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित किया जाता है, लेकिन पारंपरिक बैंकों के समान नहीं।
- किसी एनबीएफसी में निवेश करने से पहले कंपनी की प्रतिष्ठा और वित्तीय स्वास्थ्य के बारे में शोध करना महत्वपूर्ण है।

आईसीआरए (निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी)

कार्य: आईसीआरए एक स्वतंत्र एवं पेशेवर निवेश सूचना एवं क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है।

- **इतिहास**: मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस और विभिन्न भारतीय वित्तीय संस्थानों [आईसीआरए लिमिटेड] के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में 1991 में स्थापित। यह 2007 में एक सार्वजनिक कंपनी बन गई।
- **सेवाएँ**: ICRA विभिन्न ऋण साधनों के लिए क्रेडिट रेटिंग प्रदान करता है, जिसमें वाणिज्यिक बैंकों, वित्तीय संस्थानों और सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए साधन भी शामिल हैं। वे अनुसंधान और सलाहकार सेवाएँ भी प्रदान करते हैं।
- **रेटिंग**: आईसीआरए की क्रेडिट रेटिंग भारतीय पैमाने पर विशेष रूप से भारतीय रुपए में मूल्यवर्गित ऋण के लिए निर्धारित की जाती है तथा यह जारीकर्ता की ऋण-पात्रता पर उनकी राय को दर्शाती है।
- **महत्व**: आईसीआरए की रेटिंग भारतीय पूंजी बाजारों में निवेश निर्णयों को सूचित करने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

प्रारंभिक अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: निम्नलिखित पर विचार करें

जोड़े : आर्द्रभूमि/झील स्थान

1. होकरा वेटलैंड - पंजाब
2. रेणुका वेटलैंड - हिमाचल प्रदेश
3. रुद्रसागर झील - त्रिपुरा
4. सस्थामकोट्टा - तमिलनाडु झील

ऊपर दिए गए कितने जोड़े सही हैं मेल खाता है?

(a) केवल एक जोड़ी
(b) केवल दो जोड़े
(c) केवल तीन जोड़े
(घ) सभी चार जोड़े

उत्तर: (बी) केवल दो जोड़े

स्पष्टीकरण: युग्म 1 सही ढंग से सुमेलित नहीं है: यह बर्फ से ढके पीर पंचाल के पीछे, कश्मीर के उत्तर-पश्चिम हिमालयी जैवभौगोलिक प्रांत में स्थित है।

जोड़ी 2 सही ढंग से मेल खाती है: रेणुका वेटलैंड हिमाचल प्रदेश में स्थित है। यह मीठे पानी के झरनों और अंतर्देशीय भूमिगत कार्स्ट के साथ एक प्राकृतिक वेटलैंड है संरचनाएं.

जोड़ी 3 सही ढंग से मेल खाती है: रुद्रसागर झील, जिसे ट्विजिलिकमा के नाम से भी जाना जाता है, भारत के त्रिपुरा के मेलाघर में स्थित एक झील है । भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय ने रुद्रसागर को इसकी जैव विविधता और सामाजिक आर्थिक महत्व के आधार पर संरक्षण और सतत उपयोग के लिए राष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड्स में से एक के रूप में पहचाना है।

जोड़ी 4 सही ढंग से मेल नहीं खाती है: सस्थामकोट्टा झील या सस्थामकोट्टा झील, जिसे आर्द्रभूमि के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, केरल की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है। सस्थामकोट्टा झील को झीलों की रानी के रूप में भी जाना जाता है ।

PatriotIAS

प्रश्न 2: निम्नलिखित में से कौन सा सिंड्रोम एक अतिरिक्त एक्स गुणसूत्र (XXY) द्वारा चिह्नित है? 1.डाउन सिंड्रोम 2.टर्नर सिंड्रोम 3.क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम 4.एडवर्ड्स सिंड्रोम	उत्तर: (3). क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम व्याख्या: क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम पुरुषों में एक अतिरिक्त एक्स गुणसूत्र (XXY) की उपस्थिति से चिह्नित होता है। विकल्प 1: सही नहीं है , डाउन सिंड्रोम, एक अतिरिक्त गुणसूत्र 21 (ट्राइसोमी 21) की उपस्थिति के कारण होता है। विकल्प 2: सही नहीं है , टर्नर सिंड्रोम, महिलाओं में एकल एक्स गुणसूत्र (X0) की उपस्थिति की विशेषता है। विकल्प 4: सही नहीं है , एडवर्ड्स सिंड्रोम, एक अतिरिक्त गुणसूत्र 18 (ट्राइसोमी 18) के कारण होता है।
प्रश्न 3: कौन सा सिंड्रोम महिलाओं में अल्जाइमर रोग के बढ़ते जोखिम से जुड़ा है? 1.टर्नर सिंड्रोम 2.क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम 3. फ्रैजाइल एक्स सिंड्रोम 4. मार्फन सिंड्रोम	उत्तर: (1)टर्नर सिंड्रोम स्पष्टीकरण: • टर्नर सिंड्रोम महिलाओं में अल्जाइमर रोग के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है। • टर्नर सिंड्रोम से पीड़ित महिलाओं में केवल एक एक्स गुणसूत्र (X0) होता है, जिसे बाद में जीवन में अल्जाइमर रोग विकसित होने के बढ़ते जोखिम से जोड़ा गया है। **गलत विकल्प स्पष्टीकरण** : क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम: क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम पुरुषों में एक अतिरिक्त एक्स गुणसूत्र (XXY) की उपस्थिति से चिह्नित होता है। इसका अल्जाइमर रोग के बढ़ते जोखिम से कोई संबंध नहीं है। फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम: फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम एक्स गुणसूत्र पर एफएमआर1 जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसका संबंध बौद्धिक विकलांगता और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से है, अल्जाइमर रोग से नहीं। मार्फन सिंड्रोम: मार्फन सिंड्रोम गुणसूत्र 15 पर FBN1 जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है। यह अल्जाइमर रोग से नहीं, बल्कि संयोजी ऊतक विकारों और हृदय संबंधी असामान्यताओं से जुड़ा है।
प्रश्न 4: झरना सफेद क्यों दिखाई देता है? A. पानी की बूंदों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण B. प्रकाश की सभी तरंगदैर्घ्यों के अवशोषण के कारण C. पानी के माध्यम से प्रकाश के अपवर्तन के कारण D. पानी में सफेद रंगद्रव्य की उपस्थिति के कारण	उत्तर: A. पानी की बूंदों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण व्याख्या: झरने सफेद दिखाई देते हैं क्योंकि प्रकाश हवा में निलंबित पानी की बूंदों द्वारा बिखरा हुआ है। गलत विकल्पों की व्याख्या: B. गलत। प्रकाश की सभी तरंगदैर्घ्यों के अवशोषण से अंधेरा पैदा होगा, सफेदी नहीं। C. गलत। अपवर्तन तब होता है जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाता है और मुड़ जाता है, लेकिन इससे झरना सफ़ेद दिखाई नहीं देता। D. गलत। झरनों में कोई सफ़ेद रंगद्रव्य नहीं होता; सफ़ेदी प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण होती है।

Patriot IAS

प्रश्न 5: आईसीआरए (निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ? A. आईसीआरए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक सहायक कंपनी है। बी. आईसीआरए केवल बांड और सावधि जमा के लिए क्रेडिट रेटिंग प्रदान करता है। C. आईसीआरए का मुख्यालय नई दिल्ली में है। D. आईसीआरए वित्तीय संस्थाओं के लिए क्रेडिट रेटिंग प्रदान नहीं करता है।	**उत्तरः (C)** . आईसीआरए का मुख्यालय नई दिल्ली में है। **व्याख्या:** ICRA (निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) का मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में है। ICRA भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के साथ पंजीकृत है। विकल्प A गलत है क्योंकि ICRA RBI की सहायक कंपनी नहीं है; यह एक स्वतंत्र क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है। विकल्प B गलत है क्योंकि ICRA विभिन्न वित्तीय साधनों, जैसे बांड, सावधि जमा आदि के लिए क्रेडिट रेटिंग प्रदान करता है। विकल्प D गलत है क्योंकि ICRA अन्य संस्थाओं के साथ-साथ वित्तीय संस्थानों के लिए क्रेडिट रेटिंग भी प्रदान करता है।
प्रश्न 6: राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है? A. इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। B. यह जीवाश्म ईंधन से ग्रे हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। C. इसका उद्देश्य अन्य देशों से ब्लू हाइड्रोजन आयात करना है। D. यह मुख्य रूप से हाइड्रोजन उत्पादन के लिए परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है।	**उत्तरः (A)** इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। **व्याख्या** : राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। विकल्प बी (ग्रे हाइड्रोजन) और विकल्प सी (ब्लू हाइड्रोजन) गलत हैं क्योंकि मिशन विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन पर केंद्रित है। विकल्प D (परमाणु ऊर्जा) गलत है क्योंकि मिशन मुख्य रूप से हाइड्रोजन उत्पादन के लिए परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित नहीं है।
प्रश्न 7: भारत में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को लागू करने के लिए कौन सा मंत्रालय जिम्मेदार है? A. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय बी. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय सी. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय डी. वित्त मंत्रालय	**उत्तर: A.** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक हरित हाइड्रोजन का उत्पादन लक्ष्य हासिल करना है। **व्याख्या:** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। विकल्प बी (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय) पारंपरिक ईंधन से संबंधित है। विकल्प C (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) पर्यावरण नीतियों पर केंद्रित है। विकल्प डी (वित्त मंत्रालय) वित्तीय मामलों को संभालता है।
प्रश्न 8: राष्ट्रीय विद्युत योजना 2023 का मुख्य उद्देश्य क्या है? A. 2025 तक ग्रामीण क्षेत्रों में 100% विद्युतीकरण प्राप्त करना। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और कार्बन उत्सर्जन को कम करना। C. बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कोयला आधारित बिजली उत्पादन बढ़ाना। सभी सरकारी स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियों का निजीकरण करना।	**उत्तर: (बी)** नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और कार्बन उत्सर्जन को कम करना। **व्याख्या:** राष्ट्रीय विद्युत योजना 2023 का मुख्य उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और बिजली क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करना है. विकल्प ए (ग्रामीण क्षेत्रों में 100% विद्युतीकरण) एक अलग लक्ष्य है। विकल्प C (कोयला आधारित बिजली उत्पादन में वृद्धि) कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य का खंडन करता है। विकल्प डी (बिजली वितरण कंपनियों का निजीकरण) योजना के उद्देश्यों से असंबंधित है।

PatriotIAS

PatrioticIAS